

अनावश्यक रूप से वृक्ष की फूल एवं पत्तियों को तोड़ना नैतिक दृष्टि से अपराध है।

हरित स्वच्छ श्यामला धरती,
सबमें शान्ति स्फूर्ति भरती।





जहाँ हरियाली है,
वहीं खुशहाली है।

धरती पर स्वर्ग है वहाँ,
हरे-भरे वृक्ष हैं जहाँ।



पेड़ों को मत काटो भाई,
ये करते प्राकृतिक भरपाई।







कहते हैं सब वेद पुराण,
एक वृक्ष दस पुत्र समान।


बिलखती है धरती बचाओ मुझे,
प्रदूषण से मुक्ति दिलाओ मुझे।

सृष्टि के सृजन की प्रतीक,
हरित स्वच्छ
वसुधा की तकदीर।



बंजर भूमि करे पुकार,
पेड़ लगाकर करो श्रृंगार।





माँ की ममता-पेड़ का दान,
दोनों करते जन-कल्याण।

जड़ीबूटियाँ हमें स्वस्थ निरोग जीवन प्रदान करती हैं।

जीव मात्र की यही पुकार,
हरा भरा हो यह संसार।





पर्यावरण है अगर बचाना, हरीतिमा संवर्धन अपनाना।



वृक्ष पानी और शुद्ध हवा, जीवन रक्षा की अनमोल दवा।



हरियाली से है जिसका नाता, सुख समृद्धि उसको भाता।



वृक्षारोपण एक परम पुनीत कर्त्तव्य एवं अनिवार्य उत्तरदायित्व है।



पर्यावरण संरक्षण एक परम पुनीत पुण्य एवं सर्वोपरि कर्त्तव्य है।



वृक्षों के परिधान पृथ्वी माता की शोभा है।



श्वांस द्वारा प्राप्त होने वाला अमृत हमें वृक्ष-वनस्पतियों द्वारा प्राप्त होता है।



संसार के समस्त वनस्पति औषधि रूप हैं।

वन रोपें उद्यान लगाएँ,
हरा-भरा निज देश बनाएँ।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

जड़ीबूटियों के उद्यान लगाकर स्वास्थ्य रक्षा की महत्त्वपूर्ण सेवा में भागीदार बनें।








वृक्ष-वनस्पति के प्रति श्रद्धा अक्षुण्ण रहे।

वृक्षारोपण ब्रह्मकर्म के समतुल्य है।





अपने जीवन में प्रकृति का प्रवेश होने दीजिए।

जो वृक्षारोपण करता है, वह तीस हजार पितरों का उद्धार करता है।

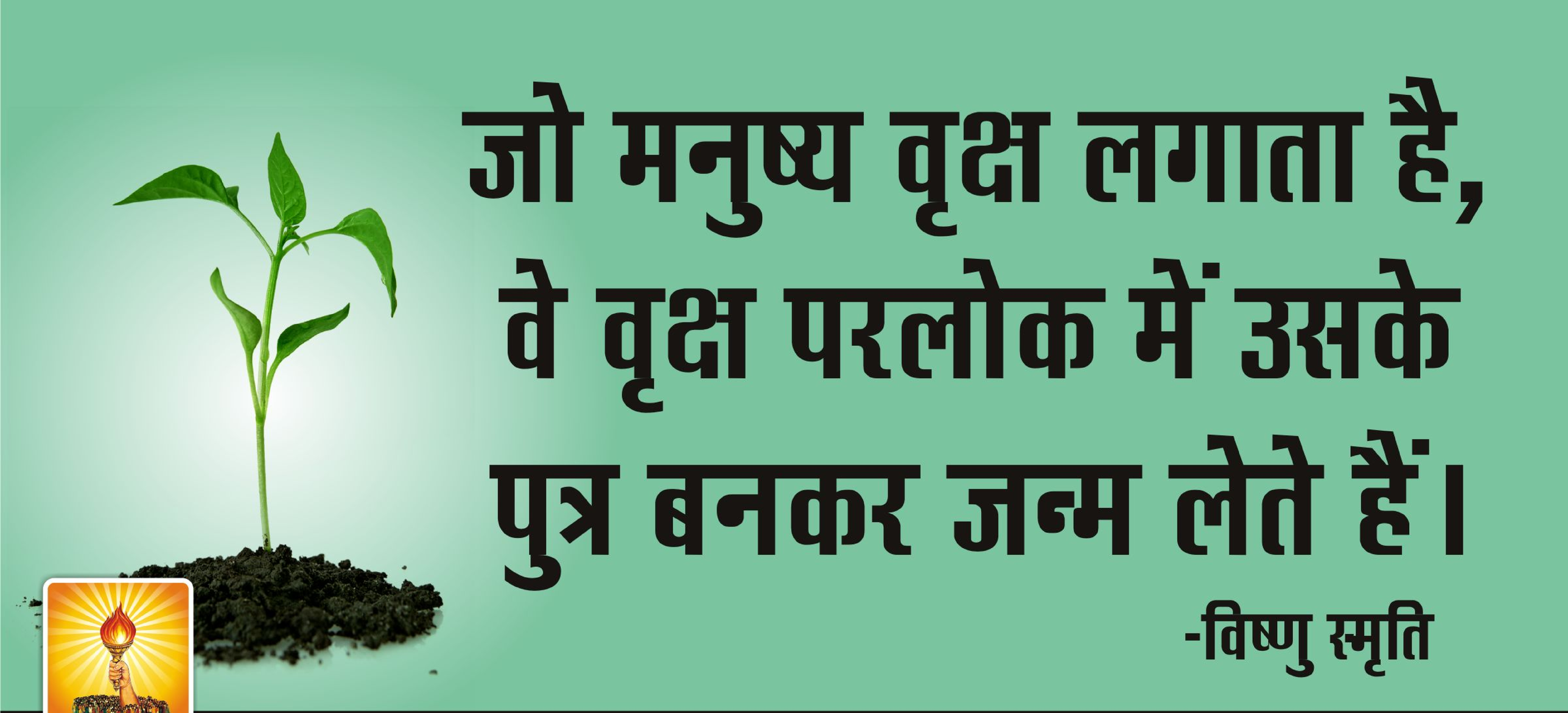


-मत्स्य पुराण



जो मनुष्य लोगों के हित के लिए वृक्ष लगाता है, वह मोक्षपद प्राप्त करता है।

-अग्नि पुराण



जो मनुष्य वृक्ष लगाता है,
वे वृक्ष परलोक में उसके
पुत्र बनकर जन्म लेते हैं।

-विष्णु स्मृति



हरियाली है तो मेघ है,
मेघ है तो जल है,
जल है तो अन्न है,
अन्न है तो जीवन है।

वृक्षारोपण आन्दोलन चलाएँ, अधिकाधिक सब वृक्ष लगाएँ।





पेड़ों से वायु और वायु से आयु।



वृक्षारोपण युगधर्म है।

औषधि-वृक्षों के उपवन लगाएँ, रोगमुक्त संसार बनाएँ।





वृक्ष लगायें,
धरा बचायें।


वृक्ष कटा, जीवन मिटा।



वृक्ष वृद्धि,
सर्व समृद्धि।



वृक्ष एक, लाभ अनेक।



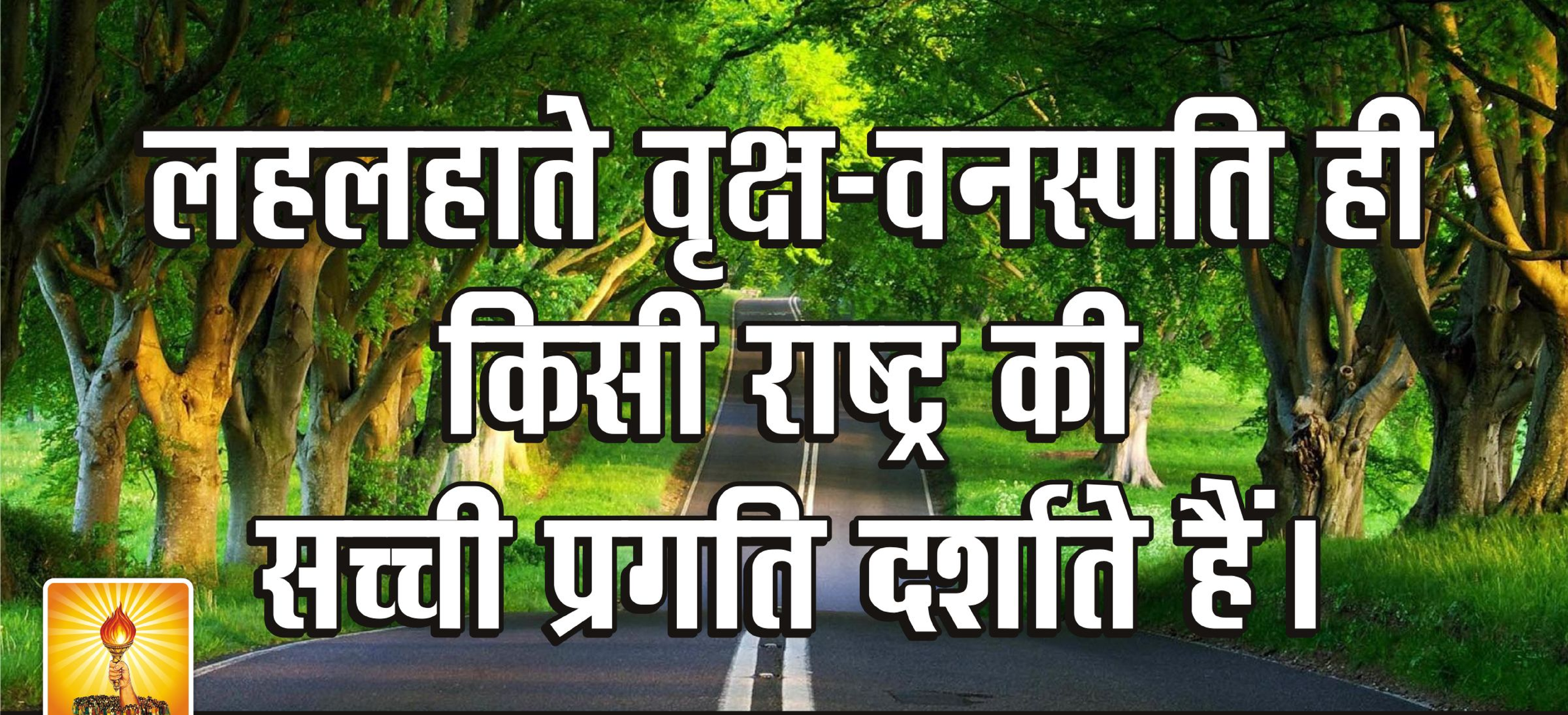
पेड़ हमारी शान है,
जीवन की मुस्कान है।



पौधा प्राणवान है, उसे प्रेम की अपेक्षा है।

वृक्ष लगाओ,
पुण्य कमाओ।




लहलहाते वृक्ष-वनस्पति ही
किसी राष्ट्र की
सच्ची प्रगति दर्शाते हैं।

हरियाली लाइए,
खुशियाली पाइए।





वृक्ष ही ऊर्जा संकट का समाधान है।

रोगमुक्ति दवाओं से नहीं, प्रकृति की शरण में जाने से है।





वृक्ष लगाना हमारा नैतिक कर्तव्य है।




वृक्षों के रक्षक बनें,
भक्षक नहीं।

पेड़ लगाये हर इन्सान, माँ वसुन्धरा देती वरदान।



मूलः ब्रह्मा, त्वया विष्णुः,
शाखाः रुद्रो महेश्वरः।
पत्रे पत्रे तु देवानाम,
वृक्षराजो नमोः स्तुते॥



वृक्ष काट मेरे दोस्त,
मत करो तुम पाप।
रोती धरती तुमको भी
देगी अभिशाप॥



मत काटो इन पेड़ों को
इनमें होती है जान,
बिन पेड़ों के हो जायेगा,
सबका जीवन सुनसान।





ग्लोबल वार्मिंग से खतरे हैं भरपूर, पर्यावरण की रक्षा से कर सकते हैं दूर।

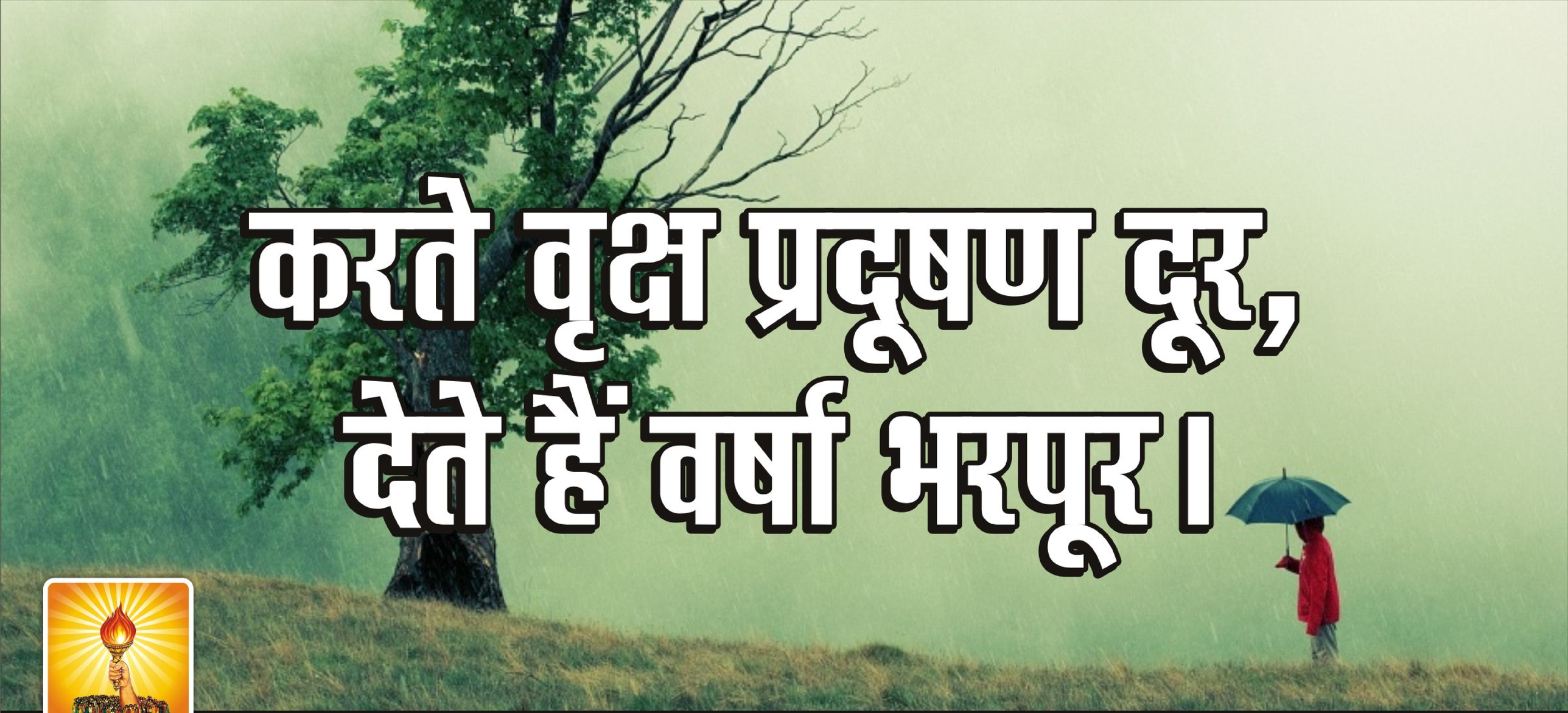
कड़ी धूप है जलते पाँव,
होते पेड़ तो मिलती छाँव।


हरियाली भूतल-शृंगार,
जहाँ वृक्ष है वहीं बहार।

लघु सेवा तरु हमसे लेते, अमित लाभ जीवन भर देते।

सुरक्षित पेड़
सुरक्षित भविष्य।




करते वृक्ष प्रदूषण दूर,
देते हैं वर्षा भरपूर।



वृक्ष, प्रदूषण-विष पी जाते, पर्यावरण पवित्र बनाते।



वृक्ष सभी का स्वागत करते, दे फल-फूल पंथ-श्रम हरते।



यदि लानी सुन्दर हरियाली, हर पौधे की हो रखवाली।

वन-उपवन
कह रहे पुकार,
देते हमे
जल की बौछार।



पुष्प हँसना सिखाते हैं, सुगन्ध बिखेरते हैं और सौन्दर्य के प्रति प्रेम की प्रेरणा देते हैं।



अनावश्यक रूप से वृक्ष की फूल एवं पत्तियों को तोड़ना नैतिक दृष्टि से अपराध है।



पितरों की स्मृति में वृक्षारोपण सर्वश्रेष्ठ श्रद्धाञ्जलि है।



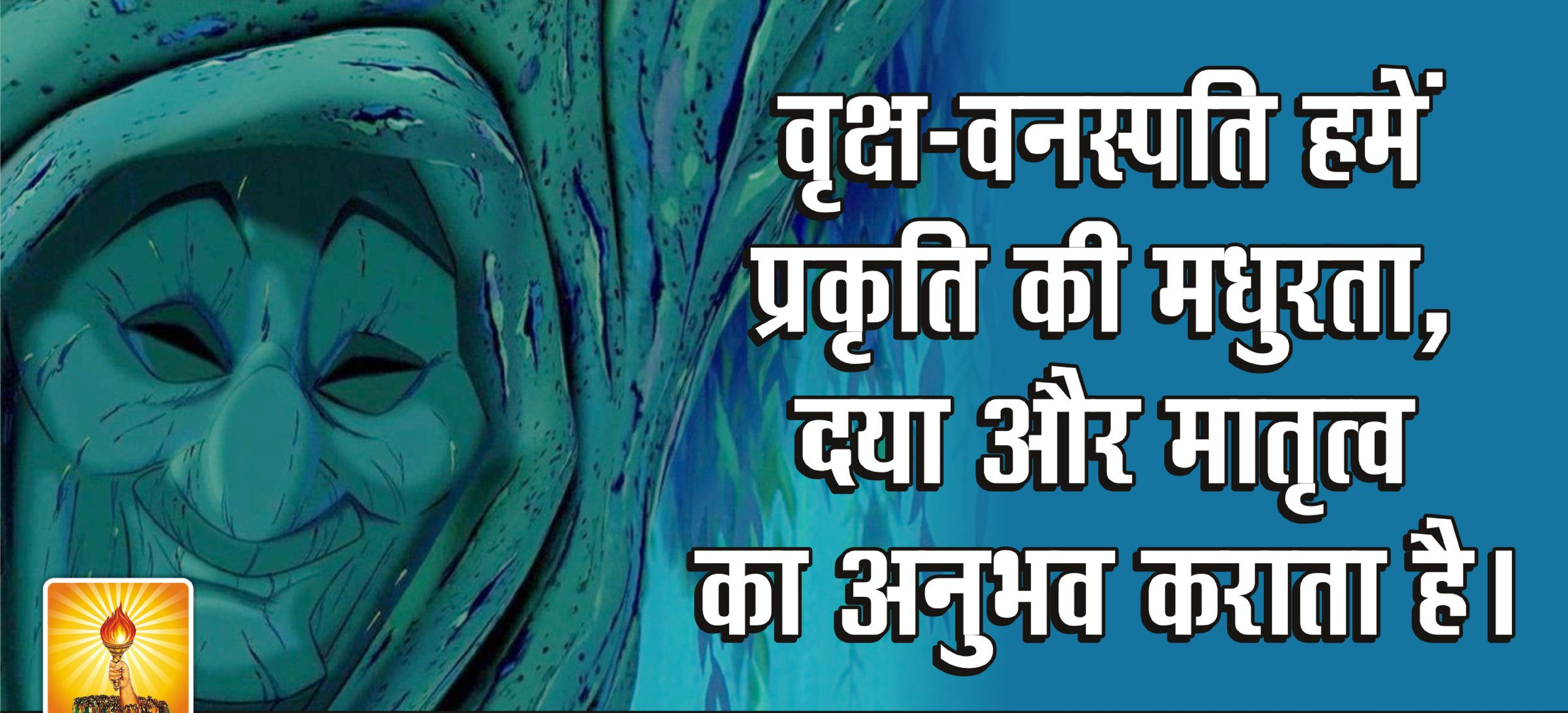
मनुष्य की आयु वृक्षों की कृपा पर आधारित है।



वृक्ष रूपी शंकर मनुष्य के हिस्से में पड़े विष पीते हैं और बदले में उन्हें प्राण दान देते रहते हैं।

पेड़ बचाएँ
भविष्य बनाएँ।





वृक्ष-वनस्पति हमें प्रकृति की मधुरता, दया और मातृत्व का अनुभव कराता है।

जड़ीबूटियाँ हमें स्वस्थ निरोग जीवन प्रदान करती हैं।

जड़ीबूटियों के उद्यान लगाकर स्वास्थ्य रक्षा की महत्त्वपूर्ण सेवा में भागीदार बनें।






औषधि-वृक्षों के उपवन लगाएँ, रोगमुक्त संसार बनाएँ।



रोगमुक्ति दवाओं से नहीं, प्रकृति की शरण में जाने से है।





सुरक्षित पेड़
सुरक्षित भविष्य।



पेड़ बचाएँ
भविष्य बनाएँ।





पेड़ भविष्य की पीढ़ी के लिए जीवन है।

नई पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए पेड़ों को बचाएँ।



यदि धरती पानी हुआ न साफ,
तो भावी पीढ़ी करेगी
कभी न माफ।





पेड़ भविष्य की पीढ़ी के लिए जीवन है।



अनावश्यक रूप से वृक्ष की फूल एवं पत्तियों को तोड़ना नैतिक दृष्टि से अपराध है।

नई पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए पेड़ों को बचाएँ।



यदि धरती पानी हुआ न साफ,
तो भावी पीढ़ी करेगी
कभी न माफ।

